University in News on 22 December 2023

HINDUSTAN PAGE 8

देश के कुलपतियों का लगेगा जमावड़ा

एलयू

- नेशनल समिट 2024 के आयोजन की तैयारी
- पीएम और सीएम को भी बुलाने की योजना

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में पूरे देश के कुलपतियों का जमावड़ा लगेगा। वह उच्च शिक्षा में नए आयामों को स्थापित करने के लिए चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भी बतौर अतिथि आमंत्रित करने की योजना बनाई जा रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय और विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से नेशनल समिट ऑफ इंस्टीट्यूशनल लीडर-2024 का आयोजन किया जाएगा। 15 से 17 फरवरी, 2024 में आयोजित होने वाले इस समिट में देश के सभी राज्य, केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और विद्वानजनों को आमंत्रित किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले एनएसईएल में उच्च शिक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिपेक्ष्य में इसके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शार्ट टर्म व लांग टर्म गोल तय किए जाएंगे। एजुकेशनल, इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट, इंस्टीट्यूशल लीडरशिप एंड गवर्नेंस, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स, इंस्टीट्यूशनल सोशल रिस्पांसबिलिटी, रैंकिंग्स, विकसित भारत समेत कई मुद्दों पर सत्र होंगे।

प्रदेश की संस्कृति से कराएंगे रूबरू अलग-अलग राज्यों से आने वाले कुलपतियों के सामने प्रदेश की संस्कृति को दर्शाया जाएगा।

एलयूः हर क्षेत्र में शिक्षकों का प्रशिक्षण जरूरी

लखनऊ। एलयू के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ व हैप्पी थिंकिंग लैब की ओर से कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन पर एकदिवसीय व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता आईआईटी बॉम्बे के प्रो. अजीजुद्दीन खान रहे। उन्होंने शैक्षिक प्रौद्योगिकी, डिजिटल शिक्षाशास्त्र और विशिष्ट प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने हर क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण करने की सलाह दी।

एनसीसी कैडेट ने विकसित भारत पर रखे विचार

लखनऊ। एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस), आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में 'विकसित भारत@2047' पर कार्यक्रम हुए। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट्स ने विचारों और नीतियों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। इससे भारत के भविष्य को आकार देने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिला। कोआर्डिनेटर डॉ. अलका मिश्रा, एएनओ मेजर राजेश शुक्ला, मेजर किरण लता आदि उपस्थित रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कक्षा में व्यवहार का पढ़ाया पाठ

लखनऊ। लविवि के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ और हैप्पी थिंकिंग लैब की ओर से बृहस्पतिवार को कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता आईआईटी बॉम्बे के प्रो. अजीजुद्दीन खान ने प्रौद्योगिकी के उपयोग में पैरेंटिंग कौशल की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने महात्मा बुद्ध द्वारा बताए मध्यम प्रतिपदा के मार्ग का अनुसरण करने का सुझाव दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के बढ़ते अनुप्रयोग के साथ ही समावेशी कक्षा में आईसीटी का उपयोग कैसे करें, इस पर भी चर्चा की। इस मौके पर निदेशक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ डॉ. वैशाली सक्सेना मौजूद रहीं। (संवाद)

विकसित भारत के लिए दिए सुझाव

लखनऊ। लविवि के आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में विकसित भारत 2047- युवाओं की आवाज कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने अपने विचारों के साथ पोर्टल पर भारत के भावी स्वरूप का चित्रण किया। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप भारतीय भी उपस्थित रहे। एनसीसी कैडेट भी मौजूद रहे। डॉ. अलका मिश्रा, एएनओ मेजर राजेश शुक्ला, मेजर किरण लता डंगवाल, ले. कॉमडर प्रो. डीके. सिंह व सीटी रजनीश यादव उपस्थित रहे। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) में भी हुई कार्यशाला में छात्रों ने देश की आजादी के शताब्दी वर्ष को लेकर भारत का चित्रण प्रस्तुत किया। (संवाद)

i-NEXT PAGE 4

टैगोर लाइब्रेरी बनेगी पब्लिक लाइब्रेरी, सुविधाएं बढ़ेंगी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में टैगोर लाइब्रेरी को पब्लिक लाइब्रेरी बनाने की तैयारी

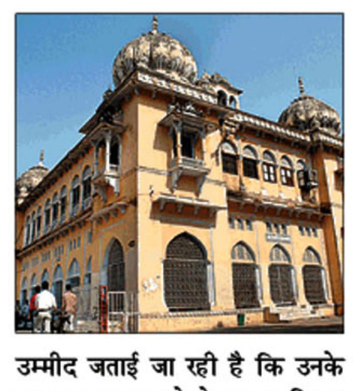

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्थित टैगोर लाइब्रेरी को जल्द ही पब्लिक लाइब्रेरी बनाने की कवायद शुरू की जाएगी. बुधवार को डॉ. केया पांडेय को टैगोर लाइब्रेरी का मानद पुस्तकालयाध्यक्ष नियुक्त किया है. इस नियुक्ति के बाद उन्होंने बुधवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया. उम्मीद जताई जा रही है कि उनके पदभार ग्रहण करने के बाद पब्लिक लाइब्रेरी के काम में तेजी आएगी. एलयू के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, पद ग्रहण करने के बाद डॉ. पांडेय ने लाइब्रेरी के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लाइब्रेरी से जुड़ी जानकारियां ली. वहीं, पब्लिक लाइब्रेरी बनाने के लिए जल्द ही मानक पूरे करके अनुमति की प्रक्रिया शुरू करने की भी तैयारी है. इसके अलावा, स्टूडेंट्स का फीडबैक लिया जाएगा ताकि उनके सुझावों के आधार पर लाइब्रेरी की सुविधाओं को और अपग्रेड किया जा सके.

सभी विभागों के अध्यक्षों से मांगी जा चुकी है सूचना

पूर्व लाइब्रेरियन डॉ. साहू ने गैलरी में प्रो. राधा कमल मुखर्जी से लेकर अन्य प्रसिद्ध समाजशास्त्रियों, वर्तमान शिक्षकों की साहित्य, इतिहास, विज्ञान से जुड़ी दुर्लभ किताबों का संग्रह तैयार करने की पेशकश की थी, जिससे लोगों को ये आसानी से पढ़ने को मिल सके. इसको लेकर इस साल अक्टूबर में सभी विभागाध्यक्ष से पुरानी पुस्तकों के नामों की सूचना भी मांगी गई थी. इसके अलावा लाइब्रेरी का वर्चुअल टूर के जरिए उसकी खासियतों से लोगों को अवेयर करने से लेकर एक ही जगह पर बेस्ट शोधपत्रों के कलेक्शन रखने की भी तैयारी की गई थी.

आम लोगों के लिए खुलेगी आर्ट गैलरी

टैगोर लाइब्रेरी की राधा कमल मुखर्जी आर्ट गैलरी को भी आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी है. इससे पहले गैलरी का एक कोना शिक्षकों के नाम समर्पित करने की योजना बनाई गई थी. इसके तहत शिक्षकों के बेस्ट रिसर्च पेपर, किताबें और दूसरे एकेडमिक्स कामों को प्रदर्शित किया जा सके. लाइब्रेरी में पुराने व वर्तमान शिक्षकों के बेस्ट शोध पत्रों का कलेक्शन एक साथ पढ़ने को मिल सकें.

एलयू में विकसित भारत कार्यक्रम

LUCKNOW (21Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी के आचार्य नरेंद्र देव हॉस्टल में वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में विकसित भारत 2047 युवाओं की आवाज कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम हॉस्टल में रहने वाले विदेशी छात्रों के लिए शुरू हुआ, जिसमें प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह ने विकसित भारत के विजन व भावी रूपरेखा पर चर्चा की. छात्रावास में रहने वाले विदेशी छात्रों ने इस दूरदर्शी पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया. कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सक्षम कुमार श्रीवास्तव ने किया.

एलयू के स्टूडेंट्स ने बांटे गर्म कपड़े

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी लॉ फैकल्टी की संस्था विधिक सहायता केंद्र व एक एनजीओ के सहयोग से शीतकालीन वस्त्र दान अभियान चलाया. इस दौरान विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बीडी सिंह व विधिक सहायता केंद्र के चेयरपर्सन डॉ. आलोक कुमार यादव शामिल रहे. विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने एलयू के सभी संकायों एवं संस्थानों में पहले से ही बॉक्स लगवाए और डोनेशन को लेकर पूरे परिसर में अभियान चलाया.

दान किए कपड़े

अभियान के दौरान स्टूडेंट्स ने खुशी-खुशी कपड़े दान किए. यह अभियान अलीगंज केंद्रीय विद्यालय और टेढ़ी पुलिया के समीप की बस्तियों में चलाया गया जिसके दौरान विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने बच्चों और बड़ों को ठंड के कपड़े देकर विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी.

JAGRAN CITY PAGE III

सिविल सेवा की तैयारी के लिए लगेंगी विशेष कक्षाएं

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत जनवरी से लवि में होगी शुरुआत

जासं, लखनऊ : मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत जनवरी से सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं लगेंगी। इसके लिए विशेष वार्ताकार चयनित किए जाएंगे, जिसकी आवेदन प्रक्रिया इसी माह शुरू होगी। चयनित ख्याति प्राप्त कोचिंग संस्थानों के विषय विशेषज्ञ सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थी इसमें सफल हो सकें। यह विशेष कक्षाएं लखनऊ विश्वविद्यालय में संचालित करने की तैयारी है।

अभ्युदय योजना के तहत लखनऊ में छह केंद्र संचालित हैं। इनमें आनलाइन व आफलाइन माध्यम से 3527 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। राजधानी में अभ्युदय योजना के प्रभारी राम बरन सिंह ने बताया कि बीते सात दिसंबर को समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष पैनल के चयन के निर्देश दिए थे। उसी क्रम में जल्द ही आवेदन लिए जाएंगे।

यूपीएससी परीक्षा के लिए 324 अभ्यर्थी पात्र : इस बार अभ्युदय केंद्रों में 324 अभ्यर्थी ऐसे हैं जो आगामी यूपीएससी परीक्षा देने के लिए पात्र हैं। इन्हें विशेष रूप से परीक्षा के लिए तैयार कराया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह उनका टेस्ट भी होगा। वरिष्ठ अधिकारी भी मोटीवेशनल कक्षाएं क्लास लेंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता सिंह ने बताया कि सिविल सेवा में पंजीकृत अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के लिए स्पेशल वार्ताकारों का पैनल तैयार किया जाएगा, जिसमें ख्याति प्राप्त कोचिंग संस्थानों के विषय विशेष शामिल होकर तैयारी कराएंगे।

आरओ-एआरओ की चल रही विशेष कक्षाएं : अभी नेशनल पीजी कालेज में आगामी आरओ और एआरओ परीक्षा की तैयारी के लिए नेशनल पीजी कालेज में विशेष बैच चलाया जा रहा है। परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्यर्थी कालेज में समाज कल्याण एवं अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग की ओर से स्थापित टैब लाइब्रेरी का भी प्रयोग कर सकते हैं।

एनओसी के लिए जमा करनी होगी आवेदन की हार्डकापी

सत्र 2024-25 में नए कालेज खोलने या पूर्व में संचालित कालेजों में नए विषय शुरू करने के लिए आवेदन करने वालों को एनओसी के लिए 23 दिसंबर तक आवेदन फार्म की हार्डकापी लखनऊ विश्वविद्यालय में उपलब्ध करानी होगी। कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। दरअसल, नए सत्र के लिए कई कालेजों ने आनलाइन माध्यम से आवेदन तो कर दिया है, लेकिन अभी तक उसकी हार्डकापी विश्वविद्यालय को उपलब्ध नहीं कराई। इसी वजह से आगे की कार्रवाई नहीं हो पा रही। इसलिए जिन महाविद्यालयों ने एनओसी के लिए आनलाइन आवेदन किया है, उन्हें प्रिंट आउट सभी प्रपत्र के साथ 23 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। अन्यथा की स्थिति में किसी प्रतिकूल परिस्थिति के लिए कालेज स्वयं उत्तरदायी होंगे।

शीतकालीन अवकाश के बाद परीक्षा कराने की मांग

विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) ने स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 25 दिसंबर से पांच जनवरी तक शीतकालीन अवकाश के दौरान न कराए जाने की मांग की है। यदि इस बीच परीक्षाएं होती है तो इसके समापन के बाद सेमेस्टर ब्रेक घोषित किया जाए। लुआक्टा अध्यक्ष डा.मनोज पांडेय ने बताया कि कुलपति से परीक्षा संचालन में सहयोग करने वाले शिक्षकों को एक कार्य दिवस के बदले एक दिन का प्रतिकर अवकाश दिए जाने, परीक्षा संबंधित सभी लंबित भुगतान सुनिश्चित किए जाने एवं परीक्षा काल में परीक्षा कार्य करने कार्मिकों को बढ़ा पारिश्रमिक दिए जाने की भी मांग की गई है।

विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग ● लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में गुरुवार को दैनिक जागरण की टीम की ओर से करियर विकास और व्यक्तिगत अलंकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'कर लो सफलता मुट्ठी' में विषय पर हुए इस आयोजन में मुख्य वक्ता तौकीर अहमद ने छात्रों को व्यक्तित्व विकास एवं साक्षात्कार के बिंदुओं को विस्तार से बताया। प्रस्तुति, एवं संचार का सफलता मंत्र भी दिया।

विधि संकाय के डीन प्रो. बंशीधर सिंह ने छात्र-छात्राओं को निराश न होने के बजाय सकारात्मक सोच लेकर सफलता के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. अभिषेक तिवारी ने छात्रों को परिणाम से ज्यादा अपनी प्रस्तुति पर ध्यान देने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रो. राकेश सिंह, प्रो. अशोक सोनकर, प्रो. हरीश चंद्र राम, डा. राजीव राठी मौजूद रहे।

आचरण और व्यवहार प्रबंधन पर हुआ व्याख्यान : लवि के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं हैप्पी थिंकिंग लैब के संयुक्त तत्वावधान में कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन विषय पर व्याख्यान हुआ। प्रमुख वक्ता आइआइटी बाम्बे के प्रो. अजीजुद्दीन खान थे। उन्होंने कक्षागत आचरण और व्यवहार प्रबंधन से परिचित कराते हुए, उन्हें वर्तमान समय की मांग के अनुसार नवीन शैक्षिक तकनीकियों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में शिक्षा संकाय के डीन प्रो. दिनेश कुमार, डा. वैशाली सक्सेना उपस्थित रहे।

लवि में फरवरी में जुटेंगे देश भर के कुलपति

जासं, लखनऊ : लवि में आगामी फरवरी में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सहयोग से नेशनल समिट आफ इंस्टीट्यूशनल लीडर-2024 (एनएसईएल) के आयोजन की तैयारी है। तीन दिवसीय कार्यक्रम फरवरी के तीसरे सप्ताह में हो सकता है। इसमें देश भर के राज्य, केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को आमंत्रित करके उच्च शिक्षा में नए आयामों को स्थापित करने पर चर्चा होगी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

56 केन्द्रों पर 26 से शुरू होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

लखनऊ विवि ने जारी की सूची

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को बीएड प्रवेश परीक्षा केन्द्रों की प्रस्तावित सूची जारी कर दी है। विवि से संबद्ध पांच जिलों सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली व लखनऊ के कालेजों में 56 परीक्षा केंद्र पर 26 दिसम्बर से परीक्षा शुरू होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय यह परीक्षा शैक्षिक सत्र 2023-24 विषम सेमेस्टर के लिए करा रहा है। विवि से पांचों जिले सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली व लखनऊ के संबद्ध 126 कॉलेजों के लिए 17 नोडल सेंटर भी बनाए गए है। परीक्षा केंद्रों की सूची परीक्षा विभाग की ओर से विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

लखनऊ जिले में 61 कॉलेजों के लिए 29 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। इसमें केकेसी, करामत, खुन खुन जी, महिला, नवयुग, कृष्णा देवी, आईटी, इरम गर्ल्स डिग्री कॉलेज व कई अन्य कॉलेज शामिल है। इनके लिए नोडल सेंटर लखनऊ विश्वविद्यालय होगा।

PIONEER PAGE 4

समावेशी कक्षा में आईसीटी के उपयोग पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं हैप्पी थिंकिंग लैब द्वारा गुरुवार को संयुक्त रूप से कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के प्रमुख वक्ता आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर अजीजुद्दीन खान थे, जिन्होंने छात्रों के साथ उपर्युक्त विषय पर बातचीत की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर दिनेश कुमार प्रमुख और डीन, शिक्षा विभाग द्वारा अतिथि का स्वागत करके की गई। डॉ खान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कक्षागत आचरण और व्यवहार प्रबंधन से परिचित कराते हुए उन्हें वर्तमान समय की मांग के अनुसार नवीन शैक्षिक तकनीकियों को अपनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने शैक्षिक प्रौद्योगिकी, डिजिटल शिक्षाशास्त्र और विशिष्ट प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्याख्यान को इंटरैक्टिव बनाने एवं शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों की खोज करते हुए लगभग हर क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण की मांग पर जोर दिया। उन्होंने प्रौद्योगिकी के उपयोग में पैरेंटिंग कौशल की भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने महात्मा बुद्ध द्वारा बताए मध्यम प्रतिपदा के मार्ग का अनुसरण करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के बढ़ते अनुप्रयोग के साथ ही समावेशी कक्षा में आईसीटी का उपयोग कैसे करें इस पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम का समापन डा वैशाली सक्सेना निदेशक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय के धन्यवाद ज्ञापन किया ग

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू छात्रों ने गरीबों को बांटे गर्म कपड़े

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व स्वप्ना फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बीडी सिहं एवं विधिक सहायता केंद्र के चेयरपर्सन डॉ.आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन में शीतकालीन वस्त्र दान अभियान का आयोजन किया गया। विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के सभी संकायों एवं संस्थानों में पहले से ही बॉक्स लगवाए और डोनेशन को लेकर पूरे परिसर में अभियान चलाया। इस दौरान छात्रों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और उन्होंने खुशी-खुशी कपड़े दान किए और इस पहल को सफल बनाया। यह अभियान अलीगंज केंद्रीय विद्यालय और टेढ़ी पुलिया के समीप के बस्तियों में चलाया गया। इस मौक पर विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों द्वारा बच्चों और बड़ों को ठंड के कपड़े प्रदान कर विधिक सहायता के बारे में जागरूक किया गया।

कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं हैप्पी थिंकिंग लैब द्वारा संयुक्त रूप से कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के प्रमुख वक्ता आईआईटी बॉम्बे के प्रो.अजीजुद्दीन खान थे जिन्होंने छात्रों के साथ उक्त विषय पर बातचीत की। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो.दिनेश कुमार प्रमुख और डीन, शिक्षा विभाग द्वारा अतिथि का स्वागत करके की गई। डॉ.खान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कक्षागत आचरण और व्यवहार प्रबंधन से परिचित कराते हुए उन्हें वर्तमान समय की मांग के अनुसार नवीन शैक्षिक तकनीकियों को अपनाने पर ज़ोर दिया।

उन्होंने शैक्षिक प्रौद्योगिकी, डिजिटल शिक्षाशास्त्र और विशिष्ट प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्याख्यान को इंटरैक्टिव बनाने एवं शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों की खोज करते हुए लगभग हर क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण की मांग पर जोर दिया। उन्होंने प्रौद्योगिकी के उपयोग में पैरेंटिंग कौशल की भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने महात्मा बुद्ध द्वारा बताए मध्यम प्रतिपदा के मार्ग का अनुसरण करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के बढ़ते अनुप्रयोग के साथ ही समावेशी कक्षा में आईसीटी का उपयोग कैसे करें इस पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम का समापन डॉ. वैशाली सक्सेना (निदेशक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लविवि के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया।

लविवि : कर लो सफलता मुट्ठी में कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय की विधि संकाय में एक दैनिक समाचारपत्र की टीम द्वारा कैरियर विकास और व्यक्तिगत अलंकरण का कार्यक्रम कर लो सफलता मुट्ठी में शीर्षक से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

छात्रों को जीवन में निराश न होने का दिया संदेश

इस आयोजन के मुख्य वक्ता तौकीर अहमद के द्वारा छात्रों को व्यक्तित्व विकास एवं साक्षात्कार की प्रमुख बिंदुओं को विस्तारपूर्वक बताया एवं प्रस्तुति,भावभंगिमा एवं संचार का सफलता मंत्र भी दिया। विधि संकाय विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.बंशीधर सिंह द्वारा छात्रों को निराश न होने के बजाए सकारात्मक सोच लेकर सफलता के लिए प्रोत्साहन किया गया। इस कार्यक्रम में एडिशनल डीएसडब्ल्यू डॉ.अभिषेक तिवारी द्वारा छात्रों को परिणाम से ज्यादा अपनी प्रस्तुति पर ध्यान देने की सलाह दी गई। इस कार्यक्रम में प्रो.राकेश सिंह, प्रो.अशोक सोनकर, प्रो.हरीशचंद्र राम, डॉ.राजीव राठी और ज्यादा संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि : कैडेट्स ने खींची विकसित भारत की तस्वीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

चर्चा

- आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और पर्यावरण स्थिरता पर की गई चर्चा

अमृत विचार : लखनऊ विवि के एनसीसी कैडेट्स ने मिलकर विकसित भारत की तस्वीर खींची। आजादी के जश्न को मनाने के लिए आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और पर्यावरण स्थिरता भी चर्चा भी की गई।

विवि में एनसीसी कैडेट्स ने विकसित भारत की मेजबानी करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया। महत्वाकांक्षी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए मंच पर नीतियों के आदान-प्रदान हुए। एनसीसी कैडेट्स द्वारा विकास, सामाजिक प्रगति और पर्यावरण स्थिरता पर विस्तार से चर्चा भी की गई। सामूहिक भावना को बढ़ावा देते हुए विचार साझा किये गए। इस अवसर पर कॉर्डिनेटर डॉ. अलका मिश्रा, विवि के एएनओ मेजर राजेश शुक्ला, मेजर किरण लता डंगवाल, ले. कमाण्डर प्रो. डीके सिंह, सीटी रजनीश यादव सहित काफी संख्या में एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

गर्म कपड़ों के वितरण के दौरान उपस्थित लविवि के छात्र-छात्राएं व अन्य। अमृत विचार

लखनऊ विवि ने जरूरतमंदों को बांटे गर्म कपड़े

लखनऊः जहां चाह वहीं राह इस कहावत को चरितार्थ लविवि के छात्रों ने किया है। कुछ समय पहले विवि संकाय द्वारा देखा गया सपना गुरुवार को पूरा होता नजर आया। छात्रों ने निर्धन परिवार और बस्तियों में गर्म कपड़े बांटे, साथ ही अभिभावकों को जागरूक भी किया। लविवि के विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. बीडी सिहं और विधिक सहायता केंद्र प्रमुख डॉ. आलोक कुमार यादव ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर हम लोगों ने आपसी सहयोग के माध्यम से ये तय किया था कि निर्धन परिवार और बस्तियों में गर्म कपड़ों का वितरण किया जाए। इसको लेकर विवि के छात्र-छात्राएं आगे आए, निजी संस्था ने भी सहयोग दिया। कुछ दिनों के सहयोग के बीच बड़ी संख्या में गर्म कपड़े वितरित करने के लिए तैयार किये गए। गुरुवार को विवि के छात्रों न अलीगंज और टेढ़ी पुलिया के आसपास जाकर इन कपड़ों को वितरित किया।

55 हजार छात्रों ने दी परीक्षा

लखनऊ : लविवि और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षाओं का आयोजन हुआ। कुलपति के सख्त निर्देशों के बीच 55 हजार से अधिक छात्रों ने परीक्षा दी।

गुरुवार को पहली पाली में छात्रों की संख्या 12742 रही। वहीं दूसरी पाली में 7965 रहे। उधर दो पालियों के बीच छात्राओं की संख्या क्रमशः 18220 और 16444 रही। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की सख्ती के बीच दोनों पालियां नकलविहीन सम्पन्न हुई। कुल 55371 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान विवि और महाविद्यालय प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बंदोबस्त रहे। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की गई।

विदेशी छात्रों के बीच जगाई विकसित भारत की अलख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विकसित भारत के विजन को अब विदेशी छात्र भी जान रहे हैं। पारंगताओं को समझने के लिए लविवि के आचार्य नरेन्द्र देव छात्रावास में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

लविवि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देशन में गुरुवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवि में अध्ययनरत विदेशी छात्र शामिल हुए। विकसित भारत 2047-युवाओं की आवाज को लेकर प्रोवोस्ट प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह ने दिशा ज्ञान दिया और विकसित भारत की अलख जगाई। भारत के विजन एवं भावी रूपरेखा की बिन्दुवार व्याख्या भी की। ऐसे में पंजीकरण प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। कई छात्रों ने विकसित भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण भी कराया। कार्यक्रम के दौरान यादगार पलों को सजोने के लिए छात्राओं ने समूल सेल्फी भी की। इस दौरान डॉ. सक्षम कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य प्रशासनिक कर्मी उपस्थित रहे।

बीबीएयू में भारतीय संस्कृति पर चर्चा

बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विवि में भारत श्रेष्ठ भारत समिति की ओर से विकसित भारत दृष्टि से वास्तविकता तक विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन आफ अकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह ने की। उन्होंने भारतीय संस्कृति की विशेषताओं पर चर्चा की। डॉ. रवि कुमार सिंह ने विकसित भारत के लक्ष्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. यूवी किरण, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव सहित सभी संकाय अध्यक्ष और विवि के छात्र उपस्थित रहे।

आचरण और व्यवहार प्रबंधन पर व्याख्यान

लखनऊ : लविवि के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श व मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं हैप्पी थिंकिंग लैब द्वारा संयुक्त रूप से कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान में प्रमुख वक्ता के रूप में आईआईटी मुम्बई के प्रो. अजीजुद्दीन खान थे। उन्होंने कक्षागत आचरण और व्यवहार प्रबंधन से परिचित कराते हुए वर्तमान समय की मांग के अनुसार नवीन शैक्षिक तकनीकियों को अपनाने पर बल दिया। शैक्षिक प्रौद्योगिकी, डिजिटल शिक्षाशास्त्र और विशिष्ट प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के बढ़ते अनुप्रयोग के साथ ही समावेशी कक्षा में आईसीटी के उपयोग पर चर्चा हुई। इस अवसर पर डॉ. वैशाली सक्सेना सहित अन्य उपस्थित रहे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

विकसित भारत के विजन एवं भावी रूपरेखा पर डाला प्रकाश

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में विकसित भारत के मिशन का प्रसार करने के लिए लविवि के आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में विकसित भारत@2047- युवाओं की आवाज कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को हुआ।

यह कार्यक्रम छात्रावास में रहने वाले विदेशी छात्रों के लिए एक व्यापक अभिविन्यास के साथ शुरू हुआ, जिसमें प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने विकसित भारत के विजन एवं भावी रूपरेखा पर प्रकाश डाला और निर्बाध पंजीकरण प्रक्रिया के लिए उनका मार्गदर्शन किया गया। छात्रावास में रहने वाले विदेशी छात्रों ने इस दूरदर्शी पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रावास के अधिकांश अंतःवासियों ने उत्सुकता से विकसित भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराया तथा जहां अपने नवीन विचारों के साथ पोर्टल पर भारत देश के भावी स्वरूप का चित्रण किया। यादगार पलों को कैद करते हुए विविधता में एकता का प्रतीक एक समूह तस्वीर के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इसके अतिरिक्त छात्रों ने उत्साहपूर्वक अवसर की भावना को दर्शाते हुए सेल्फी अपलोड की, जोकि विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है।

LOKSATYA PAGE 2, 3

कैडेट्स ने की 'विकसित भारत@2047' की मेजबानी

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेटों ने गर्व से Viksit Bharat@2047 कार्यक्रम की मेजबानी की, जो देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र में बदलने की भारत सरकार की महत्वाकांक्षी दृष्टि के अनुरूप है, और अपनी आजादी के 100वें वर्ष का जश्न मना रहा है।

Viksit Bharat@2047 की व्यापक दृष्टि में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन को बढ़ावा देना शामिल है। इस कार्यक्रम ने विचारों और नीतियों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिससे भारत के भविष्य को आकार देने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिला। जैसे-जैसे देश अपनी आजादी की सदी की ओर आगे बढ़ रहा है, Viksit Bharat@2047 जैसी पहल देश को सभी क्षेत्रों में विकसित और समृद्ध होने के लिए मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

कार्यक्रम में डॉ. अलका मिश्रा, कॉर्डिनेटर, विकसित भारत और विश्वविद्यालय के अन्य प्रतिष्ठित अधिकारियों के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के एएनओ मेजर राजेश शुक्ला, मेजर किरण लता डंगवाल, ले. कॉमडर प्रो. डी. के. सिंह एवं सीटी रजनीश यादव उपस्थित रहे।

विद्वानों ने कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन के गुर सिखाए

लखनऊ, लोकसत्य

कक्षा आचरण और व्यवहार प्रबंधन विषयक व्याख्यान हुआ। व्याख्यान के प्रमुख वक्ता आईआईटी मुंबई के प्रो अजीजुद्दीन खान थे। व्याख्यान लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग, परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं हैप्पी थिंकिंग लैब की ओर से हुआ। प्रो अजीजुद्दीन ने छात्रों के साथ बात की। शुरुआत प्रो दिनेश कुमार प्रमुख और डीन, शिक्षा विभाग ने अतिथि का स्वागत कर की।

डॉ. खान ने कक्षागत आचरण और व्यवहार प्रबंधन से परिचित कराते हुए वर्तमान समय की मांग के अनुसार नवीन शैक्षिक तकनीकियों को अपनाने पर जोर दिया। शैक्षिक प्रौद्योगिकी, डिजिटल शिक्षाशास्त्र और विशिष्ट प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्याख्यान को इंटरैक्टिव बनाने एवं शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों की खोज करते हुए लगभग हर क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण की मांग पर जोर दिया।

उन्होंने प्रौद्योगिकी के उपयोग में पैरेंटिंग कौशल की भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने महात्मा बुद्ध द्वारा बताए मध्यम प्रतिपदा के मार्ग का अनुसरण करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के बढ़ते अनुप्रयोग के साथ ही समावेशी कक्षा में आईसीटी का उपयोग कैसे करें इस पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. वैशाली सक्सेना (निदेशक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय) का आभार जताया।